सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 324 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 31 दिसम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में यह सोच विकसित कर देता है कि वो असफल नहीं हो सकते।

-बिल गेट्स

आम आदमी पार्टी यूपी में... 8 | कोरोना बढ़े तो बढ़े चुनाव कराने... 3 | नव वर्ष से पहले डराने लगा... 7

यूपी में कानून व्यवस्था ध्वस्त

भाजपा विधायक के रिश्तेदार की हत्या पर बवाल, भीड़ ने आरोपी के घर में लगायी आग, पथराव

» प्रयागराज के कीडगंज में हमलावरों ने की अंधाधुंध फायरिंग, तीन का इलाज जारी

» भाजपा विधायक के बहनोई के घायल भाई की मौत, तनाव को देखते हुए फोर्स तैनात

» आबकारी विभाग के निलंबित सिपाही ने की थी फायरिंग तलाश में जुटी पुलिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर कानून व्यवस्था की पोल खुल गयी है। प्रयागराज के कीडगंज में भाजपा विधायक संजय गुप्ता के बहनोई व चाट कारोबारी संदीप उर्फ भोले गुप्ता और उनके भाई विशाल गुप्ता उर्फ राजन के ऊपर गुरुवार को अंधाधुंध फायरिंग की गयी। गोली लगने से चार लोग घायल हो गए। आज भोर में घायल राजन गुप्ता की अस्पताल में मौत हो गई। हत्याकांड से गुस्साई भीड़ ने आरोपी के घर पर पथराव किया और आग लगा दी। आरोपी फरार है। वहीं तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है।

कीडगंज में भाजपा विधायक संजय गुप्ता के बहनोई संदीप गुप्ता का चाट व मिठाई का पुश्तैनी कारोबार है। वे घर के अगले हिस्से में दुकान चलाते हैं। गुरुवार की देर शाम वह छोटे भाई राजन के साथ दुकान पर थे।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

इसी दौरान वहां दो हमलावर पहुंचे और संदीप को ललकारते हुए फायरिंग शुरू कर दी। इसमें वह और उनके भाई राजन के अलावा ग्राहक रामजी और वहां से गुजर रहा छात्र नारायण मिश्रा जख्मी हो गए। सभी को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां राजन गुप्ता की आज भोर में मौत हो गयी। उसके सिर में गोली मारी गई थी। राजन के भाई संदीप गुप्ता चायल के भाजपा विधायक संजय गुप्ता के बहनोई हैं। घटना से आक्रोशित लोगों ने पथराव के बाद आरोपी के मकान को आग के हवाले कर दिया। गोलीबारी करने का आरोपी आबकारी विभाग का निलंबित सिपाही घटना के बाद से अपने साथी समेत फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पुरानी दुश्मनी में वारदात को अंजाम दिया गया। वहीं आईजी ने चौकी इंचार्ज, हेड कांस्टेबल व एक सिपाही को सस्पेंड कर दिया है। घटना सीसीटीवी में कैद हो गयी है। इस मामले में आबकारी विभाग के निलंबित सिपाही विमलेश पांडेय समेत तीन के खिलाफ हत्या समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

पहले भी हुआ था विवाद, चले थे बम

प्रयागराज। विधायक के बहनोई संदीप उर्फ भोले व उसके भाई पर फायरिंग का आरोप जिस निलंबित सिपाही पर लगा है, उससे उनका 11 महीने पहले भी विवाद हुआ था। तब उनकी दुकान पर बाइक सवार बदमाशों ने बम चलाकर सनसनी फैला दी थी। संदीप के बेटे स्पर्श ने बताया कि इसी साल 23 जनवरी को भी उसके पिता पर हमला हुआ था। घटना तब हुई थी जब वह दुकान पर ही बैठे थे। इसी दौरान बाइक से पहुंचे हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाकर बमबाजी की थी, जिसमें वह बाल-बाल बच गए थे। इस घटना से कुछ दिन पहले ही विमलेश से उसके पिता का विवाद हुआ था। मामले में पुलिस से शिकायत की गई थी। साथ ही शक भी जताया गया था कि इस घटना में विमलेश का ही हाथ है। हालांकि पुलिस ने अज्ञात में हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया।

सहकर्मी से छेड़खानी में हुआ था निलंबित

विमलेश मूल रूप से करछना का रहने वाला है। आबकारी विभाग में वह वाराणसी में तैनात था और महिला सिपाही से छेड़खानी कर दी थी। तब से वह निलंबित चल रहा है। इसके बाद से ही वह कीडगंज में किराये के मकान में रहने लगा था। एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह का कहना है कि उसके नाम कोई शस्त्र लाइसेंस नहीं है। ऐसे में उसने अवैध असलहे से फायरिंग की।

सपा एमएलसी के घर आयकर छापे पर बरसे अखिलेश, कहा

नफरत की दुर्गंध फैला रही भाजपा

» सपा को मिल रहे अपार समर्थन से परेशान होकर फैला रही झूठ

» हार के डर से बौखलाई भाजपा ने सरकारी एजेंसियों से किया गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने एमएलसी पुष्पराज उर्फ पम्मी जैन के यहां हुई आयकर की छापेमारी को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हार के डर से बौखलायी भाजपा अब समाजवादी पार्टी के नेताओं को परेशान कर रही है। दिल्ली से जब भी भाजपा नेताओं का यहां कार्यक्रम होता है, वे अपने साथ सरकारी एजेंसियों को अपने साथ ले आते हैं और छापेमारी की जा रही है। भाजपा नफरत की दुर्गंध फैला रही है।

उन्होंने कहा कि कन्नौज में वर्षों से इत्र बन रहा है। इससे न केवल कारोबारी जुड़े हैं बल्कि किसान भी जुड़े हैं। जो नफरत की दुर्गंध फैला रहे हैं वे यहां सौहार्द्र की सुगंध कैसे फैला सकते हैं। जहां-जहां भाजपा चुनाव हारती हैं, सरकारी एजेंसियों का प्रयोग करती है। सपा को मिल रहे अपार समर्थन से भाजपा बौखला गयी है। उसने इनकम टैक्स, ईडी और सीबीआई से गठबंधन कर लिया है लेकिन जनता ने मन बना लिया है कि चुनाव में भाजपा का सफाया होगा।

यहां हुई छापेमारी

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आज इत्रनगरी कन्नौज के दौरे से पहले ही आयकर विभाग ने कन्नौज के बड़े इत्र कारोबारियों के प्रतिष्ठान तथा आवास पर छापेमारी की है। टीम ने सपा के विधान परिषद सदस्य पुष्पराज जैन उर्फ पम्पी जैन के साथ मोहम्मद याकूब उर्फ मालिक मिंया के ठिकानों पर छापेमारी की है। पुष्पराज जैन ने समाजवादी इत्र बनाया था। वहीं इत्र कारोबारी एस मोहम्मद याकूब के यहां भी आयकर विभाग की टीम पहुंची। टीमें सबसे पहले विधान परिषद सदस्य पुष्पराज जैन उर्फ पम्पी जैन के आवास तथा आवास के नजदीक इत्र बनाने के कारखाने पर पहुंची।

शतरुद्र के आने से भाजपा और मजबूत : स्वतंत्र देव

» सपा एमएलसी शतरुद्र प्रकाश भाजपा में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 से पहले समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पूर्वांचल में सियासत के केंद्र बने बनारस में सपा का मजबूत स्तंभ ढह गया है। पूर्व परिवहन मंत्री और सपा एमएलसी शतरुद्र प्रकाश भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर शतरुद्र प्रकाश को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सदस्यता दिलाई। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शतरुद्र प्रकाश के आने से भाजपा मजबूत होगी। ज्वाइनिंग कमेटी के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेई ने कहा कि समाजवादी आंदोलन राह से भटक गया है।

शतरुद्र प्रकाश पुराने समाजवादी नेता हैं। मुलायम सरकार में विधायक चुने जाने के बाद परिवहन मंत्री भी बने। माना जाता है कि शतरुद्र सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी हैं। 2012 में जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री बने तो शतरुद्र प्रकाश पार्टी में अलग-थलग पड़ गए। हालांकि वाराणसी समेत पूर्वांचल में उनकी सियासी मजबूती बनी रही। सरकार पर लगातार हमलावर रहे। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक विधानसभा चुनाव के कुछ माह पहले शतरुद्र प्रकाश के सपा छोड़ने से पार्टी को तगड़ा झटका लगा है। हाल के दिनों में शतरुद्र तब चर्चा में आए जब उन्होंने बीते दिनों विधान परिषद में काशी विश्वनाथ धाम निर्माण के समर्थन में प्रस्ताव रखा था। वह काशी विश्वनाथ धाम को विश्व धरोहर मे शामिल करने की माग भी योगी सरकार से कर चुके हैं।

यूपी में जनता फिर बनाएगी भाजपा की सरकार

राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां गोवर्धन के दानघाटी मंदिर पहुंचे। यहां पूजा अर्चना के बाद उन्होंने कहा कि गिरिराजजी के आर्शीवाद से यूपी में फिर से भाजपा की सरकार बनेगी। राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ गोवर्धन पहुंचे। दानघाटी मंदिर में गिरिराज जी का दुग्धाभिषेक कर पूजा-अर्चना कर मनौती मांगी। इसके उपरांत डॉ. पूनियां ने पत्रकारों से कहा कि 2022 के प्रदेश विधान चुनाव में मोदी के सबका साथ सबका विकास की नीति और योगी सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं, कानून व्यवस्था, हिंदुत्व को मानने वाले लोग भाजपा की सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि दूसरी सरकारों ने उत्तर प्रदेश को अराजकता, दंगा, फैला कर भ्रष्टाचार में डुबो दिया था। योगी ने पांच साल में प्रदेश में कानून का राज स्थापित कर दंगाई, माफिया को उनके सही ठिकाने पर पहुंचाया है।

भाजपा को झटका, कर्नाटक में 501 सीटें जीतकर कांग्रेस बनी सबसे बड़ी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक नगर निकाय चुनाव में सत्ताधारी भाजपा को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस 1,184 में से 501 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। भाजपा इस चुनाव में दूसरे नंबर पर रही। भाजपा को 431 सीटें मिली हैं। वही, जेडीएस ने 45 सीटों पर अपना कब्जा जमाया है। अन्य के खाते में 207 सीटें गई हैं। बता दें कि 58 शहरी निकायों के 1184 वार्डों में चुनाव हुए थे। सिटी म्युनिसिपल काउंसिल में भाजपा ने बाजी मारी है। 166 सीटों में से भाजपा को सबसे ज्यादा 67 सीटें मिली है।

वहीं कांग्रेस ने 61 और जेडीएस ने 12 सीटों पर जीत दर्ज की है। टाउन म्युनिसिपल काउंसिल में कांग्रेस को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं हैं. टाउन म्युनिसिपल काउंसिल के 441 वार्डों में से कांग्रेस को 201, भाजपा को 176 और जेडीएस को 21 सीटें मिली हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक निकाय चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन पर बधाई दी है। राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा, वेलडन टीम कांग्रेस। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने राज्य के लोगों को धन्यवाद कहा है। उन्होंने कहा कि ये परिणाम कांग्रेस की विचारधारा और इसमें विश्वास करने वाले लोगों की लोकप्रियता की पुष्टि करते हैं। शिवकुमार ने कहा कि चुनाव के परिणामों ने राज्य में कांग्रेस की लहर के संकेत दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ही जीत होगी।

कैबिनेट मिनिस्टर कौशल किशोर ने उठाया मालेगांव ब्लास्ट का मुद्दा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने 2008 मालेगांव ब्लास्ट मामले में गवाह के बयान को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि गवाह पर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और पांच आरएसएस नेताओं का नाम लेने के लिए दबाव डाला गया था, जिसके चलते गवाह के बयान को लेकर जांच होनी चाहिए। मंत्री ने मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग रखी है।

मालेगांव विस्फोट मामले में गवाह ने मुंबई की विशेष एनआईए कोर्ट को बताया कि, विस्फोट के बाद सात दिनों तक उसे एटीएस कार्यालय में रखा गया। उसके बाद एजेंसी ने उसके परिवार के सदस्यों को प्रताड़ित करने और उन्हें फंसाने की धमकी दी। गवाह ने अदालत को यह भी बताया कि एटीएस ने उसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएसएस के पांच सदस्यों का नाम लेने के लिए दबाव डाला था। मंत्री किशोर ने कहा, इस बात की जांच होनी चाहिए कि मुंबई एटीएस के लोगों ने मालेगांव विस्फोट मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ और आरएसएस के लोगों का नाम लेने के लिए गवाह पर दबाव क्यों डाला था। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। सपा विधायक द्वारा पुलिस अधिकारी को पीटने के कथित वीडियो पर उन्होंने कहा कि पार्टी अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को पार्टी में शामिल कर रही है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बीजेपी सरकार दलित विरोधी : अजय कुमार

» यूपी में दलितों-महिलाओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यूपी बीजेपी पर साधा निशाना है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा बीजेपी झूठी पार्टी है। इनके नेता राम के नाम पर वोट बैंक की राजनीति करते हैं। अमेठी में दलित लड़की की पिटाई का उल्लेख करते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष पीएल पुनिया कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दलित व महिला विरोधी सोच के कारण देश में दलितों, महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा हिंसा और अत्याचार उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार में हो रहा है। इसका सीधा कारण अपराधियों को सरकार का संरक्षण मिलना और उन्हें बचाना है।

प्रदेश में दलितों के खिलाफ औसतन 34 अपराध की घटनाएं रोजाना हो रही हैं और अपराध के मामलों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। कांग्रेस ने भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर विधान सभा चुनाव के लिए हो रहीं बड़ी रैलियों पर रोक लगाने की मांग की है। पार्टी ने आयोग से कहा कि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री उपमुख्यमंत्री और भाजपा के नेताओं की सरकारी खर्च पर हो रही रैलियों पर रोक लगाई जाए। भाजपा नेताओं पर संवैधानिक मंचों से अलोकतांत्रिक भाषा का प्रयोग कर सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए इस पर भी रोक लगाने की मांग की गई है। आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि वर्तमान में कोविड महामारी की तीसरी लहर की आशंका है।

चुनाव से पहले मेयर और अध्यक्षों को मानदेय देने की तैयारी में यूपी सरकार

» उच्च स्तर की मंजूरी मिलते ही कैबिनेट की लगेगी मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। त्रिस्तरीय पंचायत प्रमुखों व सदस्यों की तर्ज पर अब स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों को भी उपहार देने की तैयारी है। सरकार विधानसभा चुनाव का ऐलान होने से पहले नगर निगमों के मेयर को 25 हजार, पालिका परिषद व नगर पंचायतों के अध्यक्षों को 20 हजार प्रतिमाह मानदेय दे सकती है। योगी सरकार स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों को यह सौगात देने वाली पहली सरकार होगी।

इसी तरह से नगर निगम के पार्षदों का भत्ता 2000 और नगर पालिका परिषद व नगर पंचायतों के पार्षदों का भत्ता 1500 रुपये प्रति बैठक देने की चर्चा है।

नगर विकास विभाग ने प्रस्ताव का प्रारूप लगभग तैयार कर लिया है और उच्च स्तर की मंजूरी मिलते ही इस पर कैबिनेट की मुहर भी लगेगी। वाराणसी में हुई मेयर काउंसिल की बैठक में देशभर के मेयर शामिल हुए थे। इसमें यूपी के मेयर ने मानदेय या फिर भत्ता देने की मांग उठाई थी। ज्ञात हो कि सरकार की ओर से अभी तक मेयर और अध्यक्षों को किसी तरह का मानदेय या भत्ता नहीं दिया जा रहा है। नगर निगम और पालिका परिषद अधिनियम में दी गई व्यवस्था के आधार पर बैठक के आधार पर भत्ता देने की व्यवस्था है, लेकिन अधिकतर निकायों में भत्ता नहीं दिया जा रहा। कुछ जगहों पर स्थानीय स्तर पर इसकी व्यवस्था कर नाम मात्र 300 से 500 रुपये के बीच भत्ता दिया जा रहा है। नगर विकास विभाग ने सभी शहरी निकायों में सफाईकर्मियों को वेतन का भुगतान 31 दिसंबर तक करने का निर्देश दिया है। भुगतान की सत्यापित रिपोर्ट शासन को एक जनवरी को प्रस्तुत करने के लिए भी कहा है। नगरीय निकायों में सफाई की व्यवस्था में लगे कर्मचारियों में सबसे ज्यादा संख्या आउटसोर्सिंग पर काम करने वालों की है। ठेकेदार एजेंसियों के माध्यम से काम पर रखे गए इन कर्मचारियों के वेतन भुगतान में तमाम शिकायतें मिल रही हैं।

कोरोना बढ़े तो बढ़े चुनाव कराने को सभी सियासी दल बेकरार

» आयोग से सभी पार्टियों ने तय समय पर चुनाव कराने की रखी मांग

» युद्ध स्तर पर तैयारी में जुटा आयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना के ओमिक्रॉन वेरिएंट की वजह से मामले बढ़ने के बीच चुनाव आयोग से यूपी के सियासी दलों ने समय पर चुनाव कराने की मांग की और आयोग चुनाव कराने के लिए तैयार है। आयोग चुनाव पर सियासी दलों की राय जानने के लिए तीन दिन के यूपी दौरे पर था और मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने पीसी करके यह बताया कि सभी दलों ने कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल को फॉलो करते हुए चुनाव कराए जाएं। उनके मुताबिक सभी दल समय पर चुनाव चाहते हैं लेकिन कुछ दल ज्यादा रैलियों के खिलाफ हैं और रैलियों की संख्या कम करने को कहा है।

उन्होंने बताया कि राजनीतिक दलों ने घनी बस्तियों में पोलिंग बूथ बनाने का भी सुझाव दिया है। ध्यान देने वाली बात है कि इसी साल अप्रैल-मई में बंगाल समेत कई राज्यों में हुए विधान सभा चुनाव के बाद कोरोना की दूसरी जबरदस्त लहर आई थी। हालांकि इस बात के प्रमाण नहीं है कि कोरोना की दूसरी लहर को लाने में विधान सभा चुनावों के प्रचार और रैलियों ने संक्रमण बढ़ाने में कितनी बड़ी भूमिका अदा की, लेकिन चूंकि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में भीड़ को दुश्मन नंबर वन माना जाता है, इसलिए यह भी माना गया कि चुनाव के बाद संक्रमण बढ़ा।

वर्चुअल रैली की इजाजत दे सकता है

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त के मुताबिक कोरोना के बढ़ते मामलों और संक्रमण बेकाबू हो जाने की आशंका के कारण चुनाव आयोग चाहे तो रैलियों पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसकी जगह आभासी अभियानों जैसे प्रचार के वैकल्पिक साधनों का इस्तेमाल किया जा सकता था। इससे संक्रमण रोकने में बड़ी मदद मिल सकती है। हालांकि आयोग के एक पूर्व रिटायर्ड अधिकारी बताते हैं कि वर्चुअल रैली की इजाजत देने में एक समस्या यह है कि छोटी पार्टियां और निर्दलीय प्रत्याशी इसमें असमर्थता जताते हैं। पिछले साल जब भाजपा ने बिहार चुनाव से कई हफ्ते पहले एक बड़ी वर्चुअल रैली की तो बहुत सी पार्टियों ने इस पर विरोध जताया और कहा कि कई दलों के पास वर्चुअल रैली करने के लिए संसाधन नहीं हैं।

भीड़ संक्रमण के प्रसार के लिए अनुकूल क्यों

जब चुनाव होंगे तो रैलियां भी होंगी, चुनाव प्रचार होगा, रोड शो किए जाएंगे, जिससे संक्रमण बढ़ सकता है। कोरोना संक्रमण को बढाने में भीड़ वायरस के सक्रमण के लिए हॉट स्पॉट माना जाता है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, वायरस मुख्य रूप से उन लोगों के बीच फैलता है जो एक-दूसरे के निकट संपर्क में रहते हैं।

पक्षपात की शिकायत मिली तो अफसरों पर होगी कार्रवाई

यूपी में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने लखनऊ आए मुख्य चुनाव आयुक्त ने फील्ड के अफसरों से कहा है कि वे निष्पक्ष होकर काम करें। पक्षपात की शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा अपने दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. राजीव कुमार और अनूप चंद्र पांडेय के साथ प्रदेश भर के जिलों के अफसरों के साथ विधान भवन के बाल गंगाधर तिलक हाल में बैठक कर रहे थे। बैठक में आयोग ने एक-एक जिले की तैयारियों की समीक्षा की। आयोग ने बिहार और नेपाल की सीमाओं पर सख्ती बढ़ाने और पोलिंग परसेंटेज बढ़ाने पर काम करने को कहा है। आयोग ने कहा, पारदर्शी तरीके से नए मतदाताओं के आवेदन, नाम जोड़ने व काटने के आवेदनों के सत्यापन किए जाएं। आयोग ने प्रदेश में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर भी जोर दिया। इसके लिए लोगों में जागरुकता पैदा करने के लिए व्यापक अभियान चलाने के लिए भी कहा है।

बूथों की संख्या बढ़ेगी

मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा ने बताया कि कोरोना को रोकने के लिए यूपी में राजनीतिक दलों ने घनी आबादी में मतदाता बूथ बनाने नहीं बनाने का सुझाव दिया है। उन्होंने बताया कि बूथों की संख्या बढ़ाई जाएगी। कोरोना को देखते हुए 1500 लोगों पर एक बूथ को घटाकर 1250 लोगों पर एक बूथ कर दिया गया है। इससे 11 हजार बूथ बढ़ेंगे हैं। मतदान केंद्रों में आने-जाने के रास्ते अलग-अलग बनाए जाएंगे और यहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया जाएगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ने यह भी कहा कि यूपी चुनाव में मतदान का समय एक घंटा बढ़ाया जाएगा।

52 लाख नए मतदाता भी चुनेंगे मन पसंद की सरकार

चुनाव आयोग ने कहा कि 5 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। अब तक 15 करोड़ से ज्यादा मतदाता पंजीकृत हैं। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख तक भी मतदाता सूची में अपने नाम को लेकर दावे-आपत्ति बता सकते हैं। 23.9 लाख पुरुष और 28.8 लाख महिला मतदाता हैं। 52.8 लाख नए मतदाता जुड़े हैं। इनमें 19.89 लाख युवा मतदाता हैं यानी इनकी उम्र 18-19 साल हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि 2017 में लिंगानुपात 839 था यानी एक हजार पुरुषों पर 839 महिला वोटर थीं। इस बार यह बढ़कर 868 हो गया है। उत्तर प्रदेश में इस वक्त 10 लाख 64 हजार 267 दिव्यांग मतदाता हैं।

अब पश्चिम को साधने की तैयारी में भाजपा किसानों पर नजर

अगले महीने पीएम मोदी देंगे चुनावी प्रचार को धार

किसानों के असंतोष से परेशान है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव की बागडोर संभाल ली है। वे प्रदेश में ताबड़तोड़ विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। इसके अलावा पीएम मोदी चुनावी सभाएं भी कर रहे हैं। पूर्वांचल के बाद अब पीएम मोदी पश्चिम को साधने की तैयारी कर रहे हैं। यहां वे कृषि कानूनों की वापसी के बाद किसानों को मनाने की कोशिश करेंगे। भाजपा ने इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

प्रदेश के चुनावी समर में राजनीतिक पारा आसमान पर है। भाजपा एक बार फिर मोदी फैक्टर से सूबे में जीत की पटकथा लिखने पर काम कर रही है। सात दिसंबर को गोरखपुर में रैली से अब तक मोदी आठ बार यूपी आ चुके हैं। पूर्वांचल और मध्य यूपी में पार्टी की चुनावी ताकत बढ़ाने के बाद अब पश्चिम उप्र की बारी है। गत दिनों मोदी ने नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास कर विकासवादी एजेंडे को धार दी। पूर्वांचल में काशी विश्वनाथ कारिडोर बनाकर देशवासियों से धार्मिक और भावनात्मक तार जोड़ा। अब दो जनवरी को मोदी मेरठ के सलावा में खेल विवि का शिलान्यास करेंगे, जहां 25 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों का संगम होगा। माना जा रहा है कि खेल और खिलाड़ी के इसी माहौल के बीच मोदी अपना सियासी मास्टर स्ट्रोक लगाएंगे। नए साल में मोदी पश्चिमी उप्र की राजनीतिक पिच से मास्टर स्ट्रोक लगाकर चुनावी रणनीति की दिशा बदलने की तैयारी में है। गोरखपुर से नोएडा तक सूबे के हर छोर को नाप चुके मोदी मेरठ-मुजफ्फरनगर की संयुक्त रैली में बड़ा संदेश देंगे। भाजपा को उम्मीद है कि मोदी की रैली से भाजपा की किसानों और ओबीसी वोट बैंक पर पकड़ बढ़ जाएगी।

दिग्गज भी कर चुके हैं रैलियां

पीएम मोदी के पहले गृहमंत्री अमित शाह, सीएम योगी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी पश्चिमी उप्र को मथ दिया है। यहां उमड़ी भीड़ को देखकर नेता गदगद है।

पश्चिम में भाजपा के सामने बड़ी चुनौती

पश्चिमी उप्र की राजनीतिक हवा 2013 से बदली, और 2014, 2017 और 2019 में भाजपा को प्रचंड जीत मिली लेकिन दो साल पहले से कोरोना का ग्रहण और किसान आंदोलन से पार्टी की चुनौती बढ़ी हैं। पंचायत चुनावों में भाजपा की जमीन हिलती नजर आई। हालांकि केंद्र सरकार ने कृषि कानून वापस ले लिया, लेकिन इसका फायदा भाजपा को मिलेगा, इसे लेकर पार्टी में असमंजस है। पार्टी की धड़कन भांपते हुए मोदी इस नब्ज को जरूर छुएंगे। प्रदेश में सपा-रालोद गठबंधन के चलते भाजपा मोदी मैजिक पर ज्यादा निर्भर हो गई है। इसी क्रम में मोदी ने मेरठ के सोतीगंज में वाहनों के कटान का मुद्दा छेड़कर पारा चढ़ा दिया। पश्चिमी उप्र में पलायन, अपराध नियंत्रण और कांवड़ यात्रा समेत कई मुद्दे नई तरंग पैदा कर सकते हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस कब?

सवाल यह है कि देश में स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण और बुनियादी सुविधा पर केंद्र और राज्य सरकारों का फोकस क्यों नहीं है? सरकारी अस्पतालों में दवा, बेड, जांच उपकरण और चिकित्सकों का अभाव क्यों है? चिकित्सा क्षेत्र के विकास पर बजट बढ़ाने में सरकारों की दिलचस्पी क्यों नहीं है? सियासी दलों के चुनावी एजेंडे से भी स्वास्थ्य का मुद्दा नदारद क्यों रहता है?

एक ओर कोरोना की तीसरी लहर की आहट सुनायी देने लगी है वहीं दूसरी ओर चिकित्सा सेवाओं में कोई ठोस सुधार होता नहीं दिख रहा है। यूपी समेत तमाम राज्यों में सरकारी चिकित्सा सेवाएं महामारी का प्रकोप झेलने में नाकाम साबित हो चुकी हैं। अब जब कोरोना के नए वेरिएंट ने तेजी से पांव पसारने शुरू कर दिए हैं तो केंद्र और राज्य सरकारों के माथे पर चिंता की लकीरें खींचने लगी हैं। महामारी से निपटने के लिए अभी भी अस्थायी व्यवस्था की जा रही है। यह तब हो रहा है जब देश दूसरी लहर की हाहाकारी परिस्थितियों का सामना कर चुका है। सवाल यह है कि देश में स्वास्थ्य जैसी महत्वपूर्ण और बुनियादी सुविधा पर केंद्र और राज्य सरकारों का फोकस क्यों नहीं है? सरकारी अस्पतालों में दवा, बेड, जांच उपकरण और चिकित्सकों का अभाव क्यों है? चिकित्सा क्षेत्र के विकास पर बजट बढ़ाने में सरकारों की दिलचस्पी क्यों नहीं है? सियासी दलों के चुनावी एजेंडे से भी स्वास्थ्य का मुद्दा नदारद क्यों रहता है? क्या नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है?

कोरोना महामारी ने पूरे देश की चिकित्सा व्यवस्था की पोल खोल दी है। चिकित्सा सेवाओं के अभाव के कारण दूसरी लहर में तमाम लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। हालांकि राज्य सरकारों ने अस्थायी इंतजाम किए लेकिन वे मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या के सामने नाकाफी साबित हुए। लिहाजा लाखों लोगों को होम आइसोलेशन में रखा गया। इन लोगों को सरकार जरूरी दवाएं तक उपलब्ध नहीं करा सकी। अब जब एक बार फिर कोरोना ने रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है, लोगों की चिंता बढ़ गयी है। महामारी के दो साल के दौरान भी यूपी समेत कई राज्यों में चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरा नहीं जा सका। यह दीगर है कि इस दौरान नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं। हैरानी की बात यह है कि अधिकांश सरकारी अस्पतालों में दवा से लेकर इलाज तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। ग्रामीण इलाके के स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सकों की कमी के कारण अनुपयोगी साबित हो चुके हैं। सच यह है कि स्वास्थ्य सुविधाओं की बढ़ोतरी पर सरकारें ध्यान ही नहीं दे रही हैं। चिकित्सा बजट में जरूरी बढ़ोतरी नहीं की गयी है। सियासी दलों के एजेंडे में भी चिकित्सा का मुद्दा सिरे से नदारद रहता है। जाहिर है केंद्र और राज्य सरकारों को महामारी से सबक सीखते हुए न केवल नए अस्पतालों की श्रृंखला बनानी चाहिए बल्कि वहां आधुनिक उपकरणों, दवा और चिकित्सकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी चाहिए अन्यथा एक और लहर देश में बड़ी जनहानि करा सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बाजार भरोसे न छोड़ें किसान को

देविंदर शर्मा

ऐसे वक्त जब थोक मूल्य मुद्रास्फीति पिछले तीन दशकों में सबसे ऊंचे स्तर पर है, कृषि के लिए विपत्ति की तरह है। एक सप्ताह के भीतर, देश में तीन विभिन्न जगहों पर तीन किसानों ने हताशा में अपनी खड़ी फसल अथवा उत्पाद को जला डाला है। उनकी फसलें अलग थीं लेकिन जलाने का कारण एक ही है उचित मूल्य न मिलना, जिससे उत्पादन की वास्तविक लागत पूरी हो। 11 दिसम्बर को आंध्र प्रदेश के कृषक चकालू वेंकटेसव्रलू ने करनूल कृषि उत्पाद मंडी में बेचने को लाये 25 बोरी प्याज (प्रत्येक में 50 किग्रा) को आग लगा दी क्योंकि बोली महज 500 प्रति क्विंटल (5 रुपये प्रति किलो) लगी। यह पाकर कि इतनी कीमत से उपज-लागत, भाड़ा और मंडी फीस तक पूरी नहीं हो रही, हताश किसान ने पेट्रोल छिड़क कर अपना उत्पाद जला डाला। चार दिन बाद आंध्र प्रदेश के धोने मंडल के मलिकार्जुन ने तीन एकड़ में लगी केले की फसल को जला दिया क्योंकि मंडी में भाव महज 2-3 रुपये प्रति किलो लग रहा था। वहीं मध्य प्रदेश में देओली के कृषक शंकर ने मंदसौर मंडी में बेचने को लाये 160 किग्रा लहसुन को आग लगा दी।

ये तीन दुखदायी प्रसंग असल में उस गहरे कृषि संकट का नमूनाभर है, जो आज व्याप्त है। एक ही किस्म की फसल उगाने वाले लाखों किसान होते हैं और उनको भी मंडी में ठीक इसी किस्म के तगड़े झटके लगे होंगे, परंतु उनकी हताशा, लाचारी और नाउम्मीदी सुर्खियां नहीं बन पाई। जब कीमतें गिरती हैं तब अर्थशास्त्री इसके पीछे 'मांग-आपूर्ति वाला संतुलन सिद्धांत' गिनाते हैं, लेकिन इसकी एवज में इंसान पर क्या गुजरती है यह देखने में असफल रहते हैं। न केवल भारत बल्कि विश्वभर में मंडी कीमतों में भारी उतार-चढ़ावों ने किसानों की आजीविका को तहस-नहस किया है, आजिज आए किसान खेती छोड़ने को मजबूर होकर अपनी जमीनें बेच, शहरों में छोटे-मोटे काम कर जिंदा रहने हेतु पलायन करते हैं। ग्रामीण अंचल में अजीब-सी असहजता व्याप्त है, न सिर्फ किसानों की आत्महत्या में इजाफा हुआ है बल्कि मानसिक संताप में वृद्धि हुई है। अमेरिका, जिसका असफल हुआ कृषि-सुधार मॉडल हम उधार ले रहे हैं, वहां 915725 किसान या उनके परिवार सदस्य देशभर के 'पलायन मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों' में अवसाद का इलाज करवा रहे हैं जबकि कुल अमेरिकी आबादी का बमुश्किल 1.5 फीसदी कृषि क्षेत्र में बाकी बचा है। बेशक इस मानसिक स्थिति के पीछे कुछ अन्य जटिल कारण भी होंगे,

जिनका सामना कृषक और कृषि-मजदूरों को करना पड़ रहा है, परंतु ऊपर-नीचे होती उपज की कीमतें सबसे बड़ा कारक है। मुख्यधारा अर्थशास्त्रियों का बड़ा तबका स्टॉक मार्केट में गिरावट आने पर तो शोक मनाता है किंतु कृषि उत्पाद को मिलने वाली कम कीमतों का स्वागत करने में कोई कसर नहीं छोड़ता। अंततः कृषि क्षेत्र में कर्ज बढ़ता है, लिहाजा ज्यादा से ज्यादा किसान खेती छोड़ शहरों की ओर पलायन करते हैं।

कोई हैरानी नहीं कि किसानों को हर साल 23 फसलों पर घोषित सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देकर न्यूनतम आय सुनिश्चित करने के संभावित कदम के विरुद्ध पहले ही उनके खंजर निकल आए हैं। कुछ वरिष्ठ अर्थशास्त्री, जिन्हें खुद को हर महीने वेतन-महंगाई भत्ता जुड़कर मिलने की गारंटी है, वे मुक्त कृषि मंडी व्यवस्था की पैरवी कर रहे हैं, उनके मुताबिक यह किसान को बेहतर कीमत खोजने में सहायक होगी।

भोजन श्रृंखला में यह मूल उत्पादक ही है, जिसकी भूमिका सबसे कठिन है, वही कड़ी मेहनत करता है, फिर भी मूल्य संवर्धन श्रृंखला से प्राप्त आमदनी में उसके पल्ले न्यूनतम पड़ता है, लागत तक नहीं निकलती। यहां सनद रहे कि तीन महत्वपूर्ण व्यापारिक फसलों कॉफी, केला और कोको पर न तो कोई न्यूनतम समर्थन मूल्य है न ही किसी किस्म की कृषि उत्पाद खरीद मंडी व्यवस्था है, जिस पर हम इस स्थिति के लिए अंगुली उठा सकें। असल में ये प्रतिस्पर्धात्मक माहौल बनाने वाली बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं, जो किसानों के हिस्से का पैसा चूसकर अमीर हो रही हैं। जरा सोचें, यदि वैश्विक कृषि श्रृंखला ने उत्पादन लागत और उचित मुनाफा जोड़कर किसान को न्यूनतम खरीद मूल्य मिलना सुनिश्चित किया होता तो आज खेती भी एक मुनाफादायक व्यवसाय होती। दोहन करने वाली मंडी शक्तियों को खुली छूट देने की बजाय, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय सुबूत निर्णायक रूप में सिद्ध करते हैं, भारत के लिए यही समय है कि अपने बनाये खेती सुधारों का नया प्रारूप लागू कर सर्वप्रथम किसान को जीने लायक आमदनी सुनिश्चित करे। देश की कुल जनसंख्या के लगभग 50 फीसदी हिस्से को आर्थिक रूप से व्यवहार्य एक आजीविका की गारंटी बनाना आर्थिक असमानता में व्याप्त बड़े अंतर को पाटने का एक उपाय होगा।

भ्रष्ट आचरण के दायरे में हो प्रलोभन देना

अनूप भटनागर

यह कितना विचित्र है कि चुनाव में निष्पक्षता के नाम पर मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने को सरकार प्राथमिकता दे रही है, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों और उनके नेताओं द्वारा मतदाताओं को प्रलोभन देने वाले वादे करने की प्रवृत्ति को भ्रष्ट आचरण के दायरे में शामिल करने पर उसने मौन साध रखा है। संसद ने विपक्ष के विरोध के बावजूद लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक निष्पक्ष बनाने और फर्जी मतदान पर अंकुश पाने के लिए मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ने के लिए कानून में संशोधन को मंजूरी दी है। यह कानून बनने पर निकट भविष्य में न्यायिक समीक्षा के दायरे में आ सकता है।

संसद से मंजूर कराया गया यह संशोधन एक महत्वपूर्ण कदम है लेकिन बेहतर होता कि सरकार ने इतनी ही प्रतिबद्धता चुनाव प्रचार के दौरान मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए तरह-तरह के प्रलोभन देने की राजनीतिक दलों की गतिविधियों को जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत भ्रष्ट आचरण के दायरे में शामिल करने के प्रति दर्शायी होती। फिर कानून में संशोधन करके संगीन आपराधिक मामलों का सामना कर रहे व्यक्तियों को चुनाव लड़ने की अयोग्यता संबंधी प्रावधान के दायरे में शामिल किया होता। इस समय, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सहित पांच राज्यों की विधान सभा के चुनाव होने वाले हैं। लगभग सभी राजनीतिक दल और इनके नेता मतदाताओं को लुभाने के लिए उनसे एक निश्चित राशि का महिलाओं को मासिक भत्ता देने से लेकर मुफ्त बिजली, पानी, किसानों को कर्ज माफी और न जाने कौन-कौन से वादे कर रहे हैं। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के दौरान मुफ्त में रेवड़ियां बांटने के वादे की प्रवृत्ति से चिंतित शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने के संबंध में अलग से कानून बनाने का भी सुझाव दिया था।

न्यायालय ने जुलाई, 2013 में अपने फैसले में कहा था कि चुनाव घोषणापत्रों में मतदाताओं से किये गये वादे जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं होते हैं, लेकिन इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि मुफ्त में रेवड़ियां देने के वादे समाज के सभी वर्गों को प्रभावित करते हैं। न्यायालय ने राजनीतिक दलों को नियंत्रित करने के संबंध में अलग से कानून बनाने का 2013 में सुझाव दिया था। लेकिन इस संबंध में सत्तारूढ़ राजग ही नहीं बल्कि विपक्षी दल भी चुप्पी लगाए है। बहरहाल, सरकार मतदाता सूचियों में मतदाताओं के नाम होने की वजह से फर्जी मतदान की समस्या पर नियंत्रण के लिए आधार कार्ड को मतदाता सूची से जोड़ने का प्रावधान करने संबंधी निर्वाचन विधि (संशोधन) के माध्यम से जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 23 में संशोधन के प्रस्ताव को संसद से मंजूर कराने में सफल रही है।

इस कानूनी प्रावधान का मकसद मतदाता पंजीकरण अधिकारी को ऐसे लोगों की पहचान सत्यापित करने के लिए आधार कार्ड संख्या मांगने का अधिकार प्रदान करता है, जो मतदाता के रूप में अपना पंजीकरण कराना चाहते हैं। सरकार का कहना है कि एक बार मतदाता सूची से आधार कार्ड को जोड़ने का लक्ष्य हासिल हो जाने पर जब कभी भी कोई व्यक्ति नये पंजीकरण के लिए आवेदन करेगा तो मतदाता सूची की आंकड़ा प्रणाली तत्काल संबंधित अधिकारी या प्रणाली को पहले से मतदाता का नाम सूची में होने के बारे में सतर्क कर देगी। इस विधेयक का विरोध कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों का आरोप है कि इस प्रावधान के माध्यम से मतदाताओं के निजता के अधिकार का हनन होगा। इसके विपरीत, सरकार का दावा है कि इससे फर्जी मतदान रोकने में मदद मिलेगी और मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित की जा सकेगी। सरकार का कहना था कि चुनाव सुधारों के संबंध में संसद की स्थायी समिति ने भी सिफारिश की थी कि मतदाता सूची को ठीक करने के लिए आधार कार्ड का उपयोग करना चाहिए। कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन को भरोसा दिलाया कि सरकार चुनाव आयोग के साथ मिलकर 'नकली एवं फर्जी वोटरों' को खत्म करना चाहती है। इसलिए इसका विरोध नहीं बल्कि स्वागत होना चाहिए। जनप्रतिनिधित्व कानून में एक नया प्रावधान शामिल होने से मतदाताओं के निजता के अधिकार के हनन और मतदाताओं से संबंधित आंकड़े लीक होने जैसी आशंकाओं का निराकरण करते हुए सरकार ने यह भरोसा दिलाया है कि संबंधित आंकड़े सिर्फ निर्वाचन आयोग के पास ही रहेंगे और यह पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सरकार का कहना है कि मतदान अधिकारी मतदाता की पहचान स्थापित करने मात्र के लिए आधार कार्ड का उपयोग करेंगे। सरकार का यह प्रयास भले ही फर्जी मतदान की घटनाओं पर अंकुश लगाने में कामयाब हो जाए लेकिन इस समय मतदाताओं को मुफ्त की रेवड़ियां देने के वादे करके चुनाव प्रक्रिया को दूषित करने वाले राजनीतिक दलों और इनके नेताओं पर अंकुश लगाना ज्यादा जरूरी है।

उम्मीद है कि सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था को दीमक की तरह खोखला कर रहे राजनीतिक दलों के मतदाताओं को प्रलोभन देने के आचरण पर रोक लगाने के लिए भी जनप्रतिनिधित्व कानून में आवश्यक संशोधन करेगी।

घर पर मनाएं न्यू ईयर, नहीं सताएगा कोरोना का फियर

साल 2021 जाने वाला है और 2022 आने वाला है। अब इससे जुड़े बहुत सारे सवाल आप अपने फ्रेंड्स, कजिनस और रिलेटिव्स से पूछते है। जैसे कि कहां मना रहे हो, कैसे मनाओगे, घर पर या बाहर जाओगे और भी वगैराह वगैराह। अब, अगर आपसे लोग पूछ रहे है और आपको जवाब देना है। तो, भई उन्हें अपने जवाब में ये जरूर बोलिएगा कि कोरोना अभी तक गायब नहीं हुआ है। ऊपर से ऑमिक्रॉन के केसिज भी दिन पर दिन बढ़ते जा रहे है। सोने पे सुहागा कि दिल्ली के साथ-साथ और भी कई स्टेट्स में गर्वनमेंट ने न्यू ईयर सेलिब्रेशन पर बैन लगा दिया है। अब, ये सोचकर परेशान न होइए कि न्यू ईयर का सेलिब्रेशन खराब हो जाएगा। भई, इस बार आपको घर पर न्यू ईयर मनाने के ऐसे टिप्स बताएंगे जिसे सुनकर आप अगर बाहर जाने का प्लान बना भी रहे है। तो, खुद ही कैंसिल कर देंगे। तो, न करें इंतजार और फटाफट इन टिप्स पर डालें नजर।

थीम पार्टी

आप इस न्यू ईयर चाहें तो घर में फैमिली, फ्रेंडस और रिलेटिव्स के साथ थीम पार्टी एन्जॉय कर सकते है। इस पार्टी में आप अपने नेबर्स को भी शामिल कर सकते है। वैसे भी आजकल थीम पार्टी ट्रेंड में है। थीम के अकोर्डिंग कपड़े, मेकअप, डेकोरेशन करके न्यू ईयर को खास बनाया जा सकता है। आप कोई भी थीम चूज करके सबके साथ टास्क भी कर सकते है। इसके अलावा आप पार्टी में कुछ गेम्स भी प्लान कर सकते है। जिससे मजा दोगुना हो जाएगा।

टेस्टी डिनर पार्टी

अगर आप न्यू ईयर सेलिब्रेट करने की सोच रहे है तो, घर पर ही कैंडिल लाइट डिनर प्लान कर सकते है। आप इस डिनर को फैमिली और फ्रेंड्स दोनों के साथ एन्जॉय कर सकते है। इस टाइम को आप फैमिली के साथ गेम्स खेलकर, मूवी देखकर या कोई शॉर्ट फिल्म देखकर भी स्पेंड कर सकते है। वहीं अगर आप अकेले रह रहे है तो, आप इस टेस्टी डिनर को खुद के साथ भी एन्जॉय कर सकते है।

डांस पार्टी

आप इस पार्टी में डांस भी कर सकते है। बस, सभी को परफॉर्मेंस के लिए रेडी करें या चाहें तो फ्रेंड्स और फैमिली के साथ मिलकर डांस भी कर सकते है। डांस करने से पार्टी का मजा तो बढ़ता ही है लेकिन, साथ में एनर्जी भी दोगुनी हो जाती है। डांस की बीट सुनकर ही लोगों को जोश चढ़ जाता है।

छत या लॉन में करें पार्टी

आप बाहर जाने के बजाय छत या लॉन में पार्टी कर सकते है। अगर आपके घर के लॉन या गार्डन में खुला स्पेस है। तो, आप खूबसूरत लाइट्स और फूलों से डेकोरेशन कर सकते है। इसके लिए आप जगह-जगह पेड़ों पर रंग-बिरंगी लाइट्स लगा सकते है। घर को अट्रैक्टिव बना सकते है। आप बॉन फायर भी बना सकते है। तंदूर का भी इंतजाम कर सकते हैं। इसके साथ ही आप लोग मिलकर डिनर भी तैयार कर सकते है। साथ ही आप तंदूरी डिश या बाटी चोखा पार्टी भी कर सकते हैं।

हंसना मना है

शादी के कार्ड पर लिखा था, 'कृपया शराब पीने वाले शादी में ना आएं' कमबख्त दूल्हा ही शादी में नहीं आया.....

रवि दुकानदार से: सफोला ऑयल देना दुकानदार : लो। रवि: इसके साथ फ्री गिफ्ट नहीं दिया। दुकानदार: इसके साथ कुछ फ्री नहीं है। रवि: इसमें तो लिखा है Cholestrol Free

अपने बेटे के रिपोर्ट कार्ड पर पिता ने अंगूठा लगाया। बेटा: पापा आप तो इंजिनियर हो, फिर ये अंगूठा क्यों लगाया? पिता: तेरे मार्क्स देखकर टीचर को नहीं लगना चाहिए कि तेरे बाप पढ़ा लिखा है।

सचिन पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था एक ग्राहक : अगर पैराशूट नहीं खुला तो? सचिन : तो आपके पुरे पैसे वापस...

टीचर : इंसान वो है जो हमेशा दूसरों की मदद करे। स्टूडेंट: लेकिन E&am के समय ना तो आप खुद इंसान बनती हो और ना ही दूसरों को बनने देती हो।

लड़का (अपनी गर्लफ्रेंड से): पिज्जा खाओगी? गर्लफ्रेंड: नहीं, आज कल मैं 'लाइट' खा रही हूं! लड़का (वेटर से): मेरे लिए एक पिज्जा ले आइए और ये मैडम के लिए दो 'एलईडी बल्ब'!!

कहानी — नाम की महिमा

बीरबल बुद्धिमान होने के साथ-साथ राम के भक्त भी थे। अकबर जहां भी जाते, बीरबल को साथ लेकर जाते थे। एक बार वे किसी शाही कार्य से जा रहे थे तो उन्हें घने जंगल से गुजरना पड़ा। इस यात्रा से दोनों थक गये और परेशान भी हो गये थे। अत: उन्होंने एक पेड़ के नीचे विश्राम करने का निर्णय लिया और फिर अपनी यात्रा आगे बढ़ाएंगे। अकबर को भूख लगी थी, तो उन्होंने आसपास देखा कि कोई घर मिल जाए तो कुछ खाने का इंतजाम हो। उन्होंने बीरबल से भी पूछा, लेकिन बीरबल तो राम नाम जप रहे थे, तो उससे बोले, केवल भगवान का नाम जपने से वो तुम्हारे लिए भोजन लेकर नहीं आयेंगे। तुम्हें स्वयं प्रयास करना पड़ेगा। अन्यथा तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। ऐसा कहने के बाद अकबर बीरबल को छोड़कर भोजन की तलाश में निकल पड़े। थोड़ी देर बाद उन्हें एक घर नजर आया। घर में रहने वाला परिवार बादशाह को अपने दरवाजे पर भोजन के लिए आता देख खुश हुआ उन्होंने उन्हें भोजन कराया। अकबर ने खाना समाप्त करा और बीरबल के लिए भी थोड़ा खाना ले लिया। वह वापस आकर बीरबल को खाना देते हुए बोले, देखो, बीरबल, मैंने तुम्हें कहा था, मैंने प्रयास किया तो मुझे भोजन मिल गया और तुम्हें कुछ नहीं मिला। बीरबल बादशाह की बातों को अहमियत न देकर खाना खाने लगे। खाना समाप्त करने के बाद, उसने अकबर की तरफ देखा और बोला, मैंने राम नाम की महिमा का अनुभव इससे पहले कभी नहीं किया। आप बादशाह हैं, लेकिन आज बादशाह को भी भोजन मांगकर खाना पड़ा और मुझे देखिए। मैं यहां पर केवल राम नाम जप रहा था और राम नाम के कारण बादशाह स्वयं मेरे लिए भोजन लेकर आया, वह भी मांगकर। तो मैंने यहां बैठे बैठे ही भोजन प्राप्त कर लिया। यही तो राम नाम की शक्ति है।

शिक्षा : अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए आपके पास अनेकों स्रोत होते हैं। यह आपके ऊपर है कि आप अपने स्वभाव, परिस्थिति और परिणाम देने वाले को चुनते हैं और अगर वह आपको मिल जाता है तो प्रार्थना आपकी जरूरत को पूरा करने में मदद करती है। अत: उसका उपयोग करें।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — यदि आप कई दिनों से नौकरी में स्थानांतरण को लेकर चिंतित हैं तो आज आपकी परेशानियां समाप्त हो सकती हैं। परिवार में खुशियां आएंगी। घर पर कोई मित्र आपसे मिलने आ सकता है।

वृषभ — आज आपकी कोई खास इच्छा पूरी हो सकती है। कोई जरूरी काम पूरा होने से मन प्रसन्न रहेगा। किसी पुराने मित्र से मिलने उसके घर जा सकते हैं। संबंधों में सुधार होगा। शत्रु पक्ष आपसे दूरी बनाए रखेगा।

मिथुन — योग और आध्यात्मिक क्षेत्र के लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। विदेश यात्रा के योग बनेंगे। आपके परिवार का सहयोग मिलेगा। आज आप कोई नई योजना बनाएंगे। आपकी कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कर्क — आज सामाजिक स्तर पर वृद्धि होगी। धन-दौलत के मामले में स्थिति अच्छी रहेगी। अगर आप मेहनत और लगन से करेंगे तो आपको सफलता मिल सकती है। आज कई मामलों में प्रगति होगी।

सिंह — अचानक यात्रा करना थका देने वाला साबित होगा। इस दिन निवेश करने से बचना चाहिए। संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है। हो सके तो ठंडे दिमाग से इसे सुलझाने की कोशिश करें।

कन्या — आर्थिक स्थिति अच्छी होने के कारण आपके लिए जरूरी चीजें खरीदना आसान हो जाएगा। अपने आप में दोष खोजने के लिए विवादों, मतभेदों और दूसरों की आदत पर ध्यान न दें। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे।

तुला — आज पढ़ाई में तरक्की होगी। आपके नेतृत्व के गुण आपके करियर को बेहतर बनाने में फायदेमंद साबित होंगे। एक निश्चित उद्देश्य के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। कार्यस्थल पर आपकी काफी प्रशंसा होगी।

वृश्चिक — आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा। माता-पिता के साथ मंदिर जा सकते हैं। काम से जुड़ी समस्याओं से आपको राहत मिलेगी। नौकरीपेशा लोगों को काम का सुनहरा मौका मिल सकता है।

धनु — आज आपकी बौद्धिक क्षमता आपको अपनी कमियों से लड़ने में मदद करेगी। पैसों के मामले में आपको दूसरों की सलाह मानने के बजाय अपने मन की बात सुननी चाहिए।

मकर — बेवजह का तनाव और चिंताएं जीवन का रस निचोड़कर आपको पूरी तरह से चूस सकती हैं। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित स्थान पर रखें, जो आपको भविष्य में वापस मिल सके। इन आदतों को छोड़ देना ही अच्छा है।

कुम्भ — इच्छाशक्ति की कमी आपको भावनात्मक और मानसिक परेशानियों में उलझा सकती है। रिश्तेदारों से मिलने जाना आपकी कल्पना से कहीं बेहतर होगा। आपको प्यार के सकारात्मक संकेत मिलेंगे।

मीन — आज किसी काम को पूरा करने में अधिक समय लग सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरूरत है। ज्यादा भागदौड़ आपकी परेशानी बढ़ा सकती है। बच्चों के साथ कम समय बिता पाएंगे।

नेटफ्लिक्स पर हसीन दिलरूबा ने किया टॉप

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर 2021 में कई बेहतरीन फिल्में रिलीज हुई। इनमें से कुछ सीधे ओटीटी पर आयीं तो कुछ सिनेमाघरों में रिलीज होने के चार हफ्तों बाद किसी ना किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ गयीं। दर्शकों ने भी इस साल ओटीटी पर फिल्मों का जमकर लुत्फ उठाया। 2022 के आने से पहले नेटफ्लिक्स ने इस साल सबसे अधिक देखी गयी फिल्मों की लिस्ट जारी की है, जो स्ट्रीमिंग आवर्स के आधार पर है। इसमें जुलाई से दिसम्बर तक आयी फिल्मों को शामिल किया गया है।

आपको जानकर हैरानी हो सकती है कि इस अवधि में सबसे अधिक देखी फिल्मों में तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे की हसीन दिलरूबा है। पांच हफ्तों की अवधि में इस थ्रिलर फिल्म का कुल स्ट्रीमिंग टाइम 24.5 मिलियन आवर्स रहा। पहले हफ्ते में यह फिल्म 7.3 मिलियन आवर्स स्ट्रीम हुई। हसीन दिलरूबा का निर्देशन विनिल मैथ्यू ने किया। हसीन

दिलरूबा सिनेमाघरों के बजाए सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आयी थी।

22.3 मिलियन आवर्स के साथ अक्षय कुमार और कटरीना कैफ की रोहित शेट्टी निर्देशित दूसरे स्थान पर रही। यह फिल्म 5 नवम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और शानदार प्रदर्शन करते हुए फिल्म ने 195 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। चार हफ्तों बाद नेटफ्लिक्स पर आने के बाद भी फिल्म खूब देखी गयी। अगर सूर्यवंशी सीधे ओटीटी पर आती तो सम्भवत: सबसे अधिक देखी जाने वाली फिल्म बन सकती थी। सबसे अधिक देखी गयी फिल्मों में तीसरे स्थान पर मिमी है। इस फिल्म में कृति सेनन और पंकज त्रिपाठी ने मुख्य भूमिकाएं निभायीं। फिल्म में कृति सेनन के अभिनय को खूब तारीफें मिलीं। मिमी 21.81 मिलियन आवर्स स्ट्रीम की गयी। चौथे स्थान पर कार्तिक आर्यन की धमाका रही, जिसे 11.37 मिलिनय आवर्स स्ट्रीम किया गया। इस थ्रिलर फिल्म में कार्तिक के अभिनय की जमकर तारीफ हुई। पांचवें स्थान पर आश्चर्यजनक रूप से मीनाक्षी सुंदरेश्वर रही, जिसमें सान्या मल्होत्रा और अभिमन्यु दसानी ने मुख्य भूमिकाएं निभायीं।

पुष्पा की सफलता से भावुक हुए डायरेक्टर, टीम को देंगे उपहार

बॉलीवुड | मसाला

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के लीड रोल वाली फिल्म पुष्पा को दर्शकों और समीक्षकों के बीच खूब पसंद किया जा रहा है। अब फिल्म को मिली सराहना से खुश डायरेक्टर सुकुमार ने घोषणा अपनी टीम के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा, मेरी प्रोडक्शन टीम को उनके अथक समर्थन के लिए सराहना करने की आवश्यकता है। सुकुमार ने आगे कहा, प्रोडक्शन बॉय, कैमरामैन, लाइटमैन, और अन्य सभी जिन्होंने पुष्पा के लिए दिन रात एक करके काम किया। प्रशंसा के प्रतीक के रूप में, मैं टीम के हर सदस्य को उपहार के रूप में 1 लाख रुपये देना चाहूंगा। सुकुमार अपने धन्यवाद भाषण के दौरान काफी भावुक हो गए थे।

फिल्म की अपार सफलता से उत्साहित पुष्पा की टीम ने सफलता का जश्न मनाने के लिए हाल ही में थैंक यू मीट का आयोजन किया गया था। सुकुमार, संगीत निर्देशक देवी श्री प्रसाद, अभिनेता अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना, और टीम के अन्य सदस्य इस कार्यक्रम में उपस्थित थे, जहां उन्होंने टीम का आभार व्यक्त किया। बता दें कि पुष्पा 17 दिसंबर को रिलीज हुई थी, और इस सीजन की सुपरहिट फिल्मों में से एक के रूप में इसकी चर्चा हो रही है। फिल्म में कलाकारों ने अपनी बेहतरीन अदाकारी का सभी का खूब दिल जीता। फिल्म के एक गाने में सामंथा रुथ प्रभु को भी देखा गया।

बॉलीवुड | मन की बात

हाई रिस्क वह है जो किसी फिल्म या चरित्र को यादगार बनाता है : रणवीर सिंह

रणवीर सिंह ने अपने अब तक के करियर में हर तरह की भूमिकाओं को पर्दे पर उतारा है और खास बात तो यह है कि उनके हर अंदाज ने दिल जीता है। वहीं, अपने किरदारों को लेकर रणवीर का कहना है कि वह जोखिम लेने में विश्वास करते हैं। उनके लिए, हाई रिस्क वह है जो किसी फिल्म या चरित्र को यादगार बनाता है। एक अभिनेता के रूप में अपनी यात्रा और प्रगति को परिभाषित करते हुए, रणवीर कहते हैं, मैंने कुछ बड़े जोखिम उठाए हैं। अगर फिल्म में कोई बड़ा जोखिम शामिल नहीं है तो यह मेरे लिए कुछ भी नहीं है। जितना ज्यादा जोखिम, उतना अधिक भुगतान। मैं परिभाषित नहीं होना चाहता क्योंकि मुझे लगता है कि किसी व्यक्ति को एक बॉक्स में रखना, उसे सीमित करने के बराबर है। अभिनेता एक ऐसी फिल्मोग्राफी बनाने की दिशा में काम करना स्वीकार करते हैं जिसमें गहराई हो। रणवीर कहते है, मैं अपनी फिल्मोग्राफी को सचेत और अवचेतन रूप से आकार दे रहा हूं। क्योंकि कोई दूसरा रास्ता नहीं है। मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं कि फिल्म निर्माता मुझे ऐसी भूमिकाएं देना जारी रखेंगे, जहां मैं वास्तव में कुछ कर सकता हूं। रणवीर ने यादगार पात्रों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, मेरे लिए, ऐसे किरदार करना महत्वपूर्ण है जिनकी स्मृति हमेशा के लिए हो और जो मेरी पसंदीदा फिल्म लाइफ इज ब्यूटीफुल जैसी लोगों को खुशी दे, जिसे मैं देख सकता हूं। रणवीर के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म 83 रिलीज हुई है। अब जल्द ही वह रॉकी और रानी की प्रेम कहानी, सर्कस, जयेशभाई जोरदार और तख्त जैसी फिल्मों में भी दिखाई देने वाले हैं।

देश में क्यों छापा गया जीरो रुपये का नोट, जानें इसकी पूरी कहानी

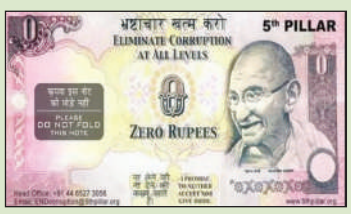

आपने 1 रुपये से लेकर 2 हजार रुपये तक के नोट को देखा होगा। भारत में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) द्वारा छापे जाने वाले इन नोटों का इस्तेमाल हम सभी अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए करते हैं। लेकिन हम आपको एक ऐसे नोट के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर हैरान रह जाएंगे। क्या आपको पता है कि देश में जीरो रुपये का नोट भी छपा था? आईए जानते क्या है इस नोट की पूरी कहानी... जीरो रुपये के नोट पर भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर छापी गई है। यह बिल्कुल दूसरे नोटों की तरह दिखाई देता है। लेकिन अब आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि आखिर जीरो रुपये के नोट क्यों छापे गए। इस नोट का होता क्या होगा? रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने इन नोटों को नहीं छापा था। इस नोट को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मुहिम के तहत छापा गया था। इस जीरो रुपये के नोट को छापने का आईडिया दक्षिण भारत की एक हस्ती का था। साल 2007 में भ्रष्टाचार के खिलाफ इस नोट को हथियार के रूप में शुरू किया गया था। तमिलनाडु में काम करने वाली इस एनजीओ ने करीब 5 लाख जीरो रुपये के नोट छापे थे। इन नोटों को हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम चार भाषाओं में छापा गया था जिसे लोगों में बांट दिया गया। इस नोट पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कई मैसेज लिखे थे। इन नोट पर लिखा था, भ्रष्टाचार खत्म करो, अगर कोई घूस मांगता है, तो इस नोट को दें और मामले के बारे में हमको बताएं। ना लेने की और ना देने की कसम खाते हैं। इस नोट पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और नोट पर नीचे एनजीओ का फोन नंबर और ईमेल आईडी दी गई थी। एनजीओ ही इस जीरो रुपये के नोट को बनाती थी और रिश्वत मांगने वाले लोगों को देती थी। जीरो रुपये का नोट भ्रष्टाचार के खिलाफ एक प्रतीक था।

अजब-गजब | अमेरिकी बोइंग कंपनी पर लगा था 22 हजार करोड़ का जुर्माना

इस कातिल विमान ने दो साल के अंदर ले ली थी 346 लोगों की जान

आपने दुनिया के तमाम कातिलों के बारे में तो सुना होगा। जिन्होंने सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतारा होगा, लेकिन आपने आज तक किसी कातिल विमान के बारे में नहीं सुना होगा। जिसने कई लोगों की जान ले ली होगा। आज हम आपको एक ऐसे ही विमान के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे कातिल विमान के रूप में जाना जाता है। क्योंकि इस विमान ने केवल दो साल के अंदर 346 लोगों की जान ले ली थी। ये बोइंग कंपनी का विमान था जिसे बाद में सुरक्षा नियमों में धोखाधड़ी करने का दोषी मान लिया गया है।

अमेरिका के न्याय विभाग ने बड़ा फैसला सुनाते हुए बोइंग कंपनी को हर्जाने और जुर्माने के तौर पर 2.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 22 हजार करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा। बता दें कि बोइंग कंपनी के इस विमान का नाम 737 मैक्स एयरक्राफ्ट है। इस विमान की वजह से दो भीषण क्रैश हुए। न्याय विभाग के मुताबिक, बोइंग भी सेटलमेंट के लिए तैयार हो गया। 737 मैक्स एयरक्राफ्ट से हुए दुर्घटना में मारे गए लोगों और कर्मचारियों के परिवारों को हर्जाना और नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना भराना पड़ा।

बता दें कि बोइंग कंपनी ने इस विमान को साल 2017 में शुरू किया गया था। 29 मई, 2018 को इंडोनेशिया के लॉयन एयर के लिए उड़ान भरते हुए यह विमान समुद्र में समा गया था। हालांकि, इसके बावजूद भी बोइंग ने इस विमान की सेवाओं को जारी रखा। उसके बाद इसी विमान की दूसरी दुर्घटना 10 मार्च 2019 में हुई। इस दौरान इथियोपियन एयरलाइंस का विमान क्रैश हो गया। बता दें कि इन दोनों दुर्घटनाओं में कोई भी जिंदा नहीं बचा था और कुल 346 लोगों की जान चली गई थी।

इन दोनों दुर्घटनाओं के बाद बोइंग ने अपने ऑटोमेटिक फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम में बदलाव किया था। कंपनी ने पाया कि एक सेंसर की गलत रीडिंग क्रैश का कारण बनी थी। इसके बाद विमान के डिजाइन में बदलाव किया गया, जिससे सेंसर हमेशा काम करते रहें। साथ ही विमान के टोमेटिक सिस्टम को कम शक्तिशाली बनाया गया, ताकि पायलट इस पर अपना कंट्रोल बनाए रखे। बता दें कि 737 मैक्स एयरक्राफ्ट से हुए दो क्रैश के बाद साल 2019 के मार्च महीने में कंपनी ने इस विमान की सेवाओं पर रोक लगा दी। उसके बाद जनवरी 2020 तक करीब इसके 400 विमान उड़ान नहीं भर पाए। इसके बाद विमान में तकनीकी बदलाव कर मई में इसका उत्पादन फिर से शुरू किया गया और नवंबर 2020 में फिर से इस विमान की सेवाएं शुरू की गईं।

नव वर्ष से पहले डराने लगा ओमिक्रॉन वेरिएंट, 23 राज्यों में बढ़ा संक्रमण

» एक व्यक्ति की मौत से मचा हड़कंप, महाराष्ट्र, दिल्ली बन रहा हॉट स्पॉट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रॉन के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कोरोना के नए वैरिएंट के मामले 12 सौ के पार हो गए हैं। इस बीच, महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन पीड़ित एक व्यक्ति की मौत हो गई है। 52 वर्षीय यह व्यक्ति नाइजीरिया से लौटा था।

महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के 198 मामले दर्ज किए गए। इनमें अकेले मुंबई से 190 मामले हैं। इसके साथ यहां ओमिक्रॉन के कुल 450 मामले हो गए हैं वहीं दिल्ली में इसकी संख्या 320 पहुंच गयी है। कोरोना वायरस का नया वैरिएंट अब तक 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल चुका है। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन के सबसे ज्यादा 450 मामले आ चुके हैं। इसके बाद दिल्ली में भी ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़े हैं। इसके बाद गुजरात में 97, राजस्थान में 69, केरल में 65 और तेलंगाना में 62 मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि पूरी दुनिया में 121 देशों में एक महीने में ओमिक्रॉन के 3,30,000 से ज्यादा मामले और कुल 59 मौतें रिपोर्ट की गई हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि तमिलनाडु, दिल्ली, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और गुजरात कोविड-19 पाजिटिविटी रेट के लिहाज से चिंता बढ़ाने वाले राज्यों के रूप में उभर रहे हैं। देश में 33 दिनों के बाद कोविड-19 के एक दिन में 10 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ के हवाले से कहा कि साक्ष्यों से पता चलता है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट डेल्टा की तुलना में तेजी से फैलता है। दो-तीन दिनों में मामले दोगुना हो गए हैं। दूसरी ओर दिल्ली में कम्युनिटी संक्रमण का खतरा मंडराने लगा है।

कोरोना ने भी पकड़ी रफ्तार

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले चौबीस घंटे में 16746 नए मामले सामने आए। इसके बाद देश में संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सक्रिय मरीजों की संख्या बढ़कर 91,461 हो गई है। 220 और संक्रमितों की मौत हो गयी है। इसके साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 4,81,080 हो गई है। देश में 50 दिन बाद कोरोना के 16 हजार से अधिक दैनिक मामले सामने आए हैं। संक्रमण के तेजी से बढ़ने से एक बार फिर देश में कोरोना का कहर फैलने लगा है। इससे लोगों में दहशत फैल रही है।

तीसरी डोज 10 जनवरी से

बुजुर्ग, फ्रंट लाइन और हेल्थ वर्कर को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिए प्रिकाशनरी (बूस्टर) डोज लगाई जाएगी। इन्हें 10 जनवरी से वैक्सीन की तीसरी डोज लगेगी। इसके लिए किसी भी तरह के पंजीकरण की जरूरत नहीं है। कोविन एप से वैक्सीन की दोनों डोज लगवा चुके लोगों के मोबाइल पर स्वयं संदेश आएगा। संदेश के आधार पर वैक्सीन की तीसरी डोज लगाई जाएगी। राजधानी में 77 हजार फ्रंट लाइन वर्कर, 66 हजार हेल्थ वर्कर और 95 हजार लोग 60 साल से अधिक उम्र के हैं।

किशोरों को तीन से लगेगी कोवैक्सीन

लखनऊ। राजधानी के 15 से 18 वर्ष तक के किशोरों को कोरोना से लड़ने के लिए तीन जनवरी से वैक्सीन का कवच मिलने लगेगा। इन्हें कोवैक्सीन की डोज लगाई जाएगी। इसके लिए एक जनवरी से कोविन पोर्टल पर पंजीकरण भी शुरू हो जाएगा।

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एमके सिंह ने बताया कि लखनऊ में लगभग तीन लाख 21 हजार 392 किशोरों को वैक्सीन लगाई जाएगी। कोविन पोर्टल पर सुबह 10 बजे से वर्ष 2007 या फिर इससे पहले जन्मे किशोर पंजीकरण करा सकते हैं। टीकाकरण के लिए 31 अस्पतालों को चिह्नित किया गया है। इनमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पताल शामिल हैं। साथ ही जिलास्तर के 12 अस्पतालों बलरामपुर, सिविल, रानी लक्ष्मीबाई, लोकबंधु, ठाकुरगंज टीबी हास्पिटल, केजीएमयू, पीजीआई, डफरिन, लोहिया, महानगर भाऊराव देवरस आदि में भी टीकाकरण की सुविधा होगी। आठ शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और ग्रामीण क्षेत्र के 11 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को टीकाकरण की सूची में शामिल किया गया हैं।

ट्रक की चपेट में आकर मां की मौत, बेटी घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। जिले के भटहट-बैलों मार्ग पर गुरुवार को ट्रक की चपेट में स्कूटी आ गई। हादसे में पीछे बैठी महिला की मौत हो गई और बेटी घायल हो गई। हादसे के बाद भाग रहे ट्रक चालक को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

पिपराइच थाना क्षेत्र के समदार खुर्द गांव निवासी कविता विश्वकर्मा अपनी मां हेमवती विश्वकर्मा (45) को स्कूटी पर बैठाकर भटहट इलाज कराने के लिए ले जा रही थी। अभी थाना क्षेत्र के भटहट-बैलों रोड पर स्थित रामाश्रय शांति देवी इंटर कॉलेज के सामने पहुंची थी। तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने चपेट में ले लिया। हादसे में हेमवती देवी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्कूटी चला रही बेटी ने हेलमेट लगाया था। हेमवती के पति सऊदी में रहते हैं। उनकी दो बेटी सरिता (24), कविता (22) और और एक बेटा अनुज विश्वकर्मा है। घटना के बाद बच्चे रो-रो कर बेहाल हैं। हेमवती देवी की बेटी कविता ने पिपराइच थाने में तहरीर दी है।

पंजाब चुनाव: दल-बदलुओं से डरी कांग्रेस, तैयार की उम्मीदवारों की सूची

» भाजपा में शामिल हो चुके हैं कई पार्टी नेता, चुनाव समिति को भेजी रिपोर्ट

» पार्टी हाईकमान की मुहर का हो रहा इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव से पहले कई कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हो गए हैं। इसने कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है। लिहाजा पार्टी ने 117 सीटों में से 40 उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं। हालांकि, इन नामों पर केंद्रीय चुनाव समिति की मुहर लगना बाकी है। कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में ये नाम तय किए गए हैं।

सूत्रों का कहना है कि पंजाब विधान सभा की 117 सीटों में से 40 पर सहमति बनी है। इनमें कुछ मंत्रियों, विधायकों और 2017 विधान सभा चुनाव में हारने वाले उम्मीदवारों का नाम भी शामिल हैं। चुनाव समिति ने कम से कम 10-12 सीटों पर सर्वे कराने की बात कही है, जहां एक से ज्यादा उम्मीदवार हैं और वे टिकट हासिल करने के लिए योग्य हैं। सूत्रों ने बताया, 'ये नाम फाइनल हैं, लेकिन इस सूची को सोनिया गांधी की अगुवाई वाली सीईसी से मुहर लगाने की जरूरत है। पता चला है कि अजय माकन के नेतृत्व वाली स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में भाजपा में कांग्रेस नेताओं के जाने पर चर्चा की। कहा जा रहा है कि नेताओं ने कादियां विधायक फतेह जंग सिंह बाजवा के पार्टी बदलने पर भी हैरानी जाहिर की।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता की भर्ती परीक्षा 6 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में हेल्थ वर्कर या स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) की भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच भर्ती प्रक्रिया आयोजित करने वाले उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार के परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) के 9212 पदों पर भर्ती के लिए उम्मीदवारों के चयन हेतु आयोजित की जाने वाली मुख्य परीक्षा की तारीख की घोषणा कर दी है। आयोग द्वारा वीरवार, 30 दिसंबर 2021 को जारी नोटिस के अनुसार, यूपीएसएसएससी हेल्थ वर्कर एग्जाम 2022 का आयोजन 6 फरवरी 2022 (रविवार) को लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) के 9212 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन 15 दिसंबर 2021 जारी किया था।

25 रुपये का भरना होगा शुल्क

आप ने सिद्धू के सामने जीवनजोत को उतारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में विधान सभा चुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी अपने उम्मीदवारों की सूची लगातार जारी कर रही है। पार्टी ने आठ प्रत्याशियों की छठवीं सूची जारी की। पार्टी अब तक 96 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। पंजाब में विधान सभा की 117 सीटें हैं। पार्टी को अब 21 प्रत्याशियों की घोषणा करनी है।

आठ उम्मीदवारों की छठी सूची जारी

एडवोकेट अमरपाल सिंह को आप ने श्री हरगोबिंदपुर से अपना उम्मीदवार बनाया है। जीवनजोत कौर अमृतसर पूर्व से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को टक्कर देंगी। सिद्धू वर्तमान में इसी विधान सभा क्षेत्र से विधायक हैं। हालांकि उनके पटियाला से भी चुनाव लड़ने की चर्चा है। अमृतसर पश्चिम से डॉ. जसबीर सिंह को आप ने टिकट दी है। अमलोह से गुरदिंर सिंह आप की टिकट से चुनाव मैदान में होंगे। नरिंदर पाल सिंह सवना को फाजिल्का, प्रीतपाल शर्मा को गिद्दड़बाहा, सुखवीर मैसेर खाना को मौड़ और मोहम्मद जमील उर रहमान को मलेरकोटला से आप ने अपना प्रत्याशी बनाया है। आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को पंजाब विधान सभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी की थी। इस सूची में 15 उम्मीदवारों को जगह मिली। आप ने चमकौर साहिब विधानसभा सीट से डॉ. चरणजीत सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी इसी सीट से विधायक हैं। अगर वह फिर इसी सीट से विधान सभा चुनाव लड़ते हैं तो मुकाबला दिलचस्प होगा। आप ने मंजू राणा को कपूरथला से प्रत्याशी घोषित किया है।

मेव गैंग के तीन बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» उखाड़ ले गए थे नोटों से भरा एटीएम

आगरा। ताजगंज क्षेत्र से कैश से भरा एटीएम उठाकर ले जाने वाले बदमाशों से गुरुवार देर रात पुलिस की मुठभेड़ हो गई। फतेहाबाद रोड पर हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी जबकि दो अन्य को भी गिरफ्तार किया गया। तीनों के कब्जे से 5.26 लाख रुपये और घटना में इस्तेमाल की गई गाड़ी बरामद कर ली गई है।

ताजगंज क्षेत्र में कलाल खेरिया से 23 दिसंबर की रात को बदमाश टाटा इंडिकैश का एटीएम गाड़ी में लादकर ले गए थे। इसमें 8.20 लाख रुपये थे। बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाश गाड़ी में एटीएम लादते हुए दिखाई दिए थे। एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने घटना के पर्दाफाश के लिए क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग और एसओजी टीम को लगाया था। दोनों टीमों को सूचना मिली कि बदमाश ताजगंज क्षेत्र में ही हैं। बदमाशों ने घिरता देखकर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई। घायल बदमाश हरियाणा के नूह में नगीना निवासी जाहुल है। उसके दो साथियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इन्होंने अपना नाम नूह में नलहड़ निवासी सद्दाम और फिरोजपुर में कोलगाम निवासी नासिर बताया।

तो योगी को किनारे लगाने की तैयारी कर रही भाजपा!

» यूपी के प्रशासन की बागडोर हाथ में लेकर दिल्ली दरबार ने दिया संकेत

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब अपने करीबी अफसर अवनीश अवस्थी को यूपी का चीफ सेक्रेटरी बनाना चाहते थे तभी प्रधानमंत्री ने चीफ सेक्रेटरी बदल दिया। डीएस मिश्रा को चीफ सेक्रेटरी बनाया गया है। अब यूपी की कमान दिल्ली के हाथ आ गयी है। इस नियुक्ति में सीएम योगी आदित्यनाथ से सहमति तक नहीं ली गयी। सवाल यह कि क्या इस नियुक्ति के जरिए दिल्ली ने योगी सरकार को सीधा संदेश दे दिया है कि अब यूपी की कमान दिल्ली संभालेगी? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, शीतल पी सिंह, अमित मिश्रा, अमलेंदु उपाध्याय, अभिषेक कुमार, अरुणा सिंह और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अमलेंदु उपाध्याय ने कहा, पीएम ने संदेश दे दिया है कि अब योगी जी कार्यवाहक मुख्यमंत्री रह गए हैं। इससे साफ है कि यूपी में रहना है तो मोदी-मोदी कहना है। केंद्र और राज्य में सामंजस्य नहीं दिख रहा है।

अशोक वानखेड़े ने कहा, प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के संकेत मिल गये हैं। आचार संहिता लगने के बाद अफसर क्या करेंगे। सत्ता में बैठे लोग भी इसको समझ रहे हैं। अमित मिश्रा ने कहा, चीफ सेक्रेटरी बदलना प्लान बी है। लेकिन अब बहुत देर हो चुकी है और इसका असर नहीं होगा। भाजपा हताश दिख रही है। शीतल पी सिंह ने कहा, लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो रहे है लेकिन इसकी मर्यादा खत्म की जा रही है। अधिकांश लोकतांत्रिक संस्थाओं में लोकतंत्र का खात्मा हो चुका है।

अरुणा सिंह ने कहा, पीएम मोदी के लिए योगी कोई समस्या नहीं है। यह एक तरह से यूपी को बचाने की कोशिश का हिस्सा है। अभिषेक कुमार ने कहा, प्रदेश पर कमांड किया जा रहा है। इसके बाद योगी को दरकिनार कर दिया जाएगा।

आम आदमी पार्टी यूपी में लाएगी चौंकाने वाले परिणाम: संजय सिंह

केजरीवाल के दिल्ली मॉडल पर लग रही जनता की मुहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लखनऊ में कहा विधानसभा चुनाव के बारे में यही कह सकता हूं कि हम लोग चौंकाने वाले और अप्रत्याशित परिणाम यूपी में लेकर आएंगे। अभी आपने चंडीगढ़ का चौंकाने वाला परिणाम देखा। किसी को उम्मीद नहीं थी कि पहले चुनाव में ही नंबर एक की पार्टी हम चंडीगढ़ में बनेंगे। उन्होंने कहा कि दो जनवरी को होने वाली व्यवस्था बदलो महारैली में भारी भीड़ जुटने वाली है।

उन्होंने कहा यूपी के चुनाव जनता के बुनियादी मुद्दों पर होंगे और परिणाम अप्रत्याशित होंगे। जनता की मुहर अरविंद केजरीवाल के दिल्ली मॉडल पर लग रही है। उनके शिक्षा, स्वास्थ्य, फ्री बिजली, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, विधवाओं, वृद्धों और दिव्यांगों के लिए दोगुना-तीन गुना पेंशन आदि कामों को सब तरफ समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यूपी में हमें जिला पंचायत के चुनाव में 40 लाख

वोट मिले। हमें नहीं उम्मीद थी कि हमारे 83 जिला पंचायत सदस्य जीतेंगे। प्रदेश की जनता बदलाव की राजनीति के लिए सामने आ रही है और हम से जुड़ रही है। उन्होंने अयोध्या के जमीन के मुद्दे पर कहा कि मुख्यमंत्री कहते हैं कि जो गरीब की जमीन हड़पेगा उसके घर पर बुलडोजर चलवाएंगे तो अपने विधायकों, मेयर और अपने अधिकारियों पर बुलडोजर चलवाइए जिससे लोगों को पता चले कि आप न्यायप्रिय हैं।

पूरा प्रदेश बदलाव को तैयार : सभाजीत सिंह

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी और भाजपा मिलकर खेल रहे हैं। जनता भी सब समझ चुकी है। मंदिर के नाम पर चंदाचोरी करने वाले दूसरों की भक्ति पर सवाल कैसे खड़े कर सकते हैं। वहीं आप के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा पूरा देश बदलाव को तैयार हो रहा है और उत्तर प्रदेश की जनता भी सड़ी-गली राजनीति से मुक्ति चाहती है। प्रदेश भी बदलाव चाहता हैं। सभाजीत ने कहा कि प्रदेश में सरकार बनने पर हम फसल बेचने के 24 घंटे के भीतर किसानों का भुगतान करेंगे। 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी और बकाया बिल माफ होगा। दस लाख नौकरी हर साल दी जाएंगी।

अदिति सिंह के बाद अब राकेश सिंह हुए बागी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भाजपा में जल्द हो सकते हैं शामिल, हो रही चर्चाएं

लखनऊ। रायबरेली सदर विधायक अदिति सिंह कांग्रेस का हाथ छोड़कर अब भगवाधारी हो गई हैं। अगले चुनाव में वह भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ सकती है। वहीं अब एक और विधायक राकेश सिंह भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज रायबरेली पहुंच रहे हैं। सीएम के कार्यक्रम में हरचंदपुर विधायक राकेश सिंह की होर्डिंग्स सीएम योगी के साथ लगी है। कांग्रेस के बागी हरचंदपुर के विधायक राकेश सिंह की मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में लगी होल्डिंग चर्चा का विषय बनी हुई है। कई दिनों से यह अनुमान लगाया जा रहा था कि राकेश सिंह से जो कि कांग्रेस विधायक हैं, वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं। अभी हाल ही में अदिति सिंह जो कि कांग्रेस की विधायक थीं, वो भाजपा में शामिल हो गई हैं। जब से अदिति सिंह ने अपना गुरु योगी आदित्यनाथ को बताया था, तब से कांग्रेस से बगावत कर रही थीं। उसके बाद भाजपा में शामिल हो गई थीं। उसी तरीके से हरचंदपुर के विधायक राकेश सिंह भी कांग्रेस से बगावत कर रहे थे। बता दें कि रायबरेली में आज यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचेंगे। सीएम भाजपा की जन विश्वास यात्रा के बाद 850 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। साथ ही जनसभा को संबोधित भी करेंगे। बताया जा रहा है कि सीएम का हेलिकॉप्टर करीब 2 बजे जिले में उतरेगा। योगी के दौरे को लेकर प्रशासनिक अफसरों ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

अयोध्या पहुंचे अमित शाह किए रामलला के दर्शन

रामभक्तों पर गोली किसने चलवाई, याद रखना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमित शाह आज अयोध्या के दौरे पर हैं। शाह ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण समिति के अधिकारियों से मुलाकात की और राम मंदिर निर्माण की जानकारी ली। अमित शाह को सुबह 10 बजे अयोध्या पहुंचना था। लेकिन खराब मौसम के कारण देरी हुई, जिसके बाद शाह साढ़े 11 बजे के आसपास अयोध्या पहुंचे।

यहां पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन किए. उसके बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र मंदिर के दर्शन किए। इसके बाद शाह ने राम मंदिर निर्माण समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में शाह ने राम मंदिर के निर्माण का काम कहां तक पहुंचा, इसकी जानकारी ली। शाह ने अयोध्या में कहा इस भूमि में सालों तक श्री राम के जन्मस्थान के लिए संघर्ष हुआ। हर बार निर्माण और विध्वंस हुआ। लोगों ने राम के लिए बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि 75 साल पहले सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर का शिलान्यास किया था और 75 साल बाद प्रधानमंत्री मोदी ने राम मंदिर का भूमि पूजन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और सपा ने राम मंदिर निर्माण का काम रोकने की बहुत कोशिश की। आगे कहा कि कारसेवकों और रामसेवकों पर गोली चलाने वालों आज रामलला का मंदिर जोर शोर से बन रहा है। कोई रोक सके तो रोक ले।

शाह को जवाब, बसपा को रैलियों में भाड़े की भीड़ की जरूरत नहीं: आकाश आनंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर आकाश आनंद ने अमित शाह पर निशाना साधा है। उन्होंने गृहमंत्री द्वारा दिए बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि बसपा को रैलियों में भाड़े की भीड़ की जरूरत नहीं है। भाजपा को सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर के भीड़ जुटानी होती है। मगर भाजपा यह जान ले कि 2022 में इस सरकार की विदाई तय है। वहीं रामपुर में बहुजन समाज पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के प्रभारी शमसुद्दीन ने कहा कि देश व प्रदेश में इस समय डबल इंजन की सरकार चल रही है। यह सरकार गरीब, अनुसूचित जाति, मजदूर, मुस्लिम, अल्पसंख्यक, बैकवर्ड के खिलाफ अपनी नीतियों को जबरदस्ती थोप रही है।

जनता के साथ भारतीय जनता पार्टी मजाक कर रही है। युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं मिल पा रही है। सरकार की नीतियों से किसान भी परेशान हैं। तोपखाना रोड स्थित आयशा पैलेस में हुई कार्यकर्ताओं की बैठक में उन्होंने कहा कि बहनजी की सरकार में कानून का राज चलता था। हर अधिकारी समय पर अपने कार्यालय पहुंचकर जनता का काम समय पर करता था। अगर कोई अधिकारी बहनजी की नीतियों के अनुसार काम नहीं करता था तो वह उस अधिकारी को दंडित करती थीं, लेकिन आज शासन व प्रशासन में भाजपा के बड़े नेताओं की भी कोई बात सुनने को तैयार नहीं। गिरीश चंद जाटव ने बताया कि बहनजी की सरकार में गन्ने का मूल्य सबसे ज्यादा बढ़ाया गया था और हर विभाग में सरकारी नौकरियों की भर्ती की गई थी।

योगी की सेना अब अखिलेश की हो गई!

सुनील सिंह, सौरभ व चंदन कर रहे सपा का गुणगान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के लिए यह खबर अच्छी नहीं है क्योंकि मुख्यमंत्री योगी की सेना अब अखिलेश की हो गई है। एक तरीके से योगी की सेना ने अपने ही मुख्यमंत्री का हाथ छोड़ दिया है।

हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ देखे जा रहे हैं। वह खुलकर कह रहे हैं कि अब सपा में हैं। उनके जैसे न जाने कितने लोगों ने हिंदू युवा वाहिनी से अलग सपा का साथ पकड़ लिया है। पूर्व सदस्य बताते हैं कि अब हिंदू युवा वाहिनी खत्म हो गई है। संगठन के खत्म होने के कारण कई

हैं। सूत्रों का ये भी कहना है कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से 2017 में साफ तौर पर निर्देश दिए गए थे कि हिंदू युवा वाहिनी का विस्तार न हो, इसे खत्म किया जाए। सुनील सिंह, सौरभ विश्वकर्मा, चंदन विश्वकर्मा ने 15 साल तक हिंदुत्व का झंडा उठाया। अब यह तीनों ही अखिलेश यादव के साथ हैं। 2017 में विधानसभा चुनाव में टिकट के बंटवारे के मुद्दे को लेकर इन तीनों का योगी से मतभेद हो गया था, जिसके बाद योगी ने उन्हें संगठन से बाहर निकाल दिया।

योगी ने हमें नजरंदाज किया : सुनील सिंह

हिंदू युवा वाहिनी के बनने के बाद ही सुनील सिंह संगठन से जुड़ गए। वह प्रदेश अध्यक्ष रहे। वे कहते हैं कि योगी आदित्यनाथ ने 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें व अन्य सदस्यों को नजरअंदाज किया। प्रदेश नेतृत्व का दबाव बढ़ने के बाद धीरे-धीरे जिला इकाइयां भंग होने लगीं। सदस्य अलग होकर सपा से जुड़ने लगे। आज ज्यादातर कार्यकर्ता सपा के साथ हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।